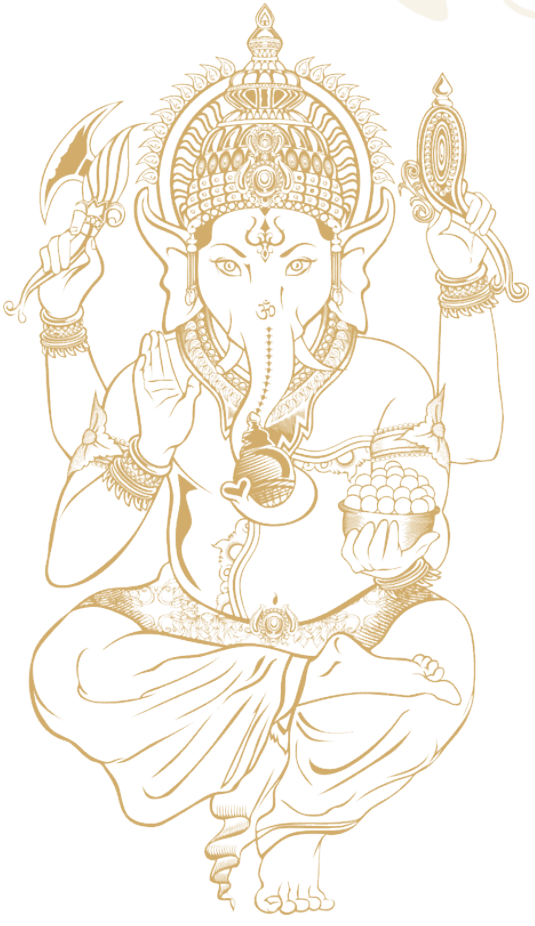

Prisha prasad

15 Apr 2019

10:45 AM

Bongaigaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121033902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/04/2019**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:45:00 घंटे**
इष्ट	13:59:56 घटी
स्थान	**Bongaigaon**
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	90:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:32:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:17:16 घंटे
वेलान्तर	-00:00:09 घंटे
साम्पातिक काल	00:49:36 घंटे
सूर्योदय	05:09:01 घंटे
सूर्यास्त	17:51:10 घंटे
दिनमान	12:42:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	00:50:27 मेष
लग्न के अंश	27:53:46 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	गण्ड
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-मानवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	27:53:46	312:10:26	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	00:50:27	00:58:45	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	02:52:14	14:28:46	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृष	15:44:41	00:39:24	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			मीन	03:29:11	01:08:14	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु	व		धनु	00:11:48	00:00:51	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
शुक्र			कुंभ	29:16:43	01:12:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
शनि			धनु	26:13:03	00:01:27	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मिथु	27:51:37	00:03:42	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	27:51:37	00:03:42	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
हर्ष			मेष	07:57:45	00:03:26	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप			कुंभ	23:26:42	00:01:54	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो			धनु	29:00:28	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			मीन	19:20:55	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:18

लग्न-चलित

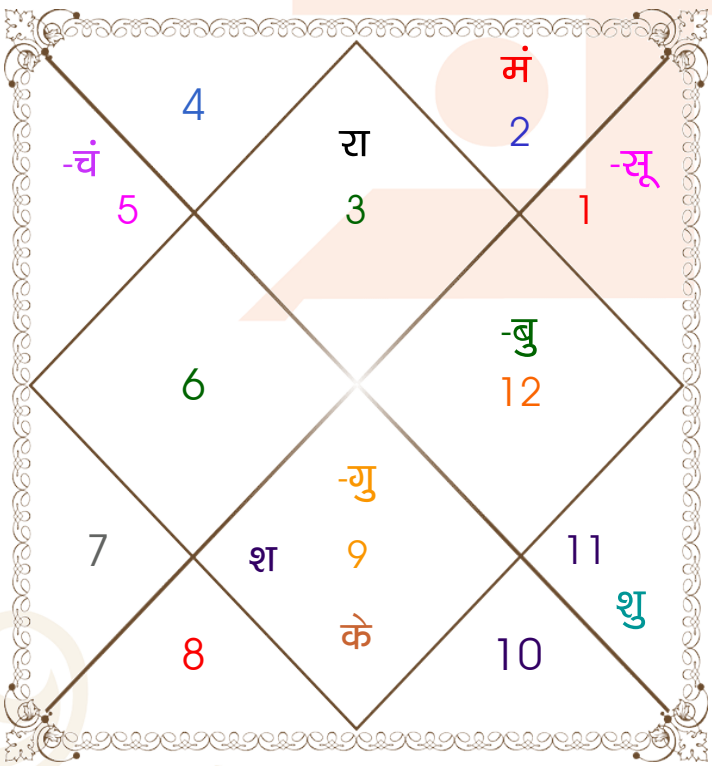

चन्द्र कुंडली

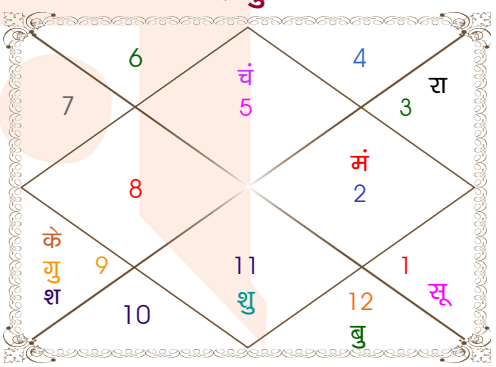

नवमांश कुंडली

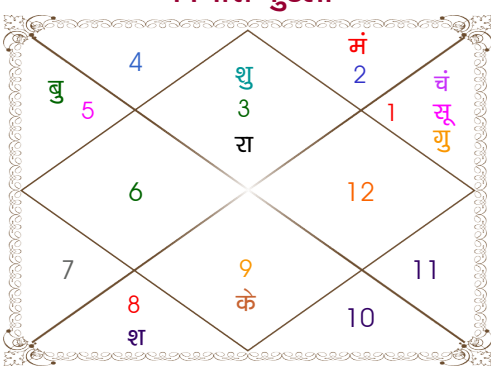

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 5 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/04/2019		11/10/2024		11/10/2044		12/10/2050		11/10/2060	
11/10/2024		11/10/2044		12/10/2050		11/10/2060		12/10/2067	
	15/04/2019	शुक्र	11/02/2028	सूर्य	29/01/2045	चंद्र	12/08/2051	मंगल	09/03/2061
शुक्र	10/05/2019	सूर्य	10/02/2029	चंद्र	30/07/2045	मंगल	12/03/2052	राहु	28/03/2062
सूर्य	15/09/2019	चंद्र	12/10/2030	मंगल	05/12/2045	राहु	11/09/2053	गुरु	04/03/2063
चंद्र	15/04/2020	मंगल	12/12/2031	राहु	30/10/2046	गुरु	11/01/2055	शनि	12/04/2064
मंगल	11/09/2020	राहु	12/12/2034	गुरु	18/08/2047	शनि	11/08/2056	बुध	09/04/2065
राहु	29/09/2021	गुरु	12/08/2037	शनि	30/07/2048	बुध	11/01/2058	केतु	05/09/2065
गुरु	05/09/2022	शनि	11/10/2040	बुध	06/06/2049	केतु	12/08/2058	शुक्र	05/11/2066
शनि	15/10/2023	बुध	12/08/2043	केतु	12/10/2049	शुक्र	12/04/2060	सूर्य	13/03/2067
बुध	11/10/2024	केतु	11/10/2044	शुक्र	12/10/2050	सूर्य	11/10/2060	चंद्र	12/10/2067

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/10/2067		12/10/2085		13/10/2101		12/10/2120		13/10/2137	
12/10/2085		13/10/2101		12/10/2120		13/10/2137		00/00/0000	
राहु	24/06/2070	गुरु	30/11/2087	शनि	15/10/2104	बुध	11/03/2123	केतु	11/03/2138
गुरु	17/11/2072	शनि	12/06/2090	बुध	25/06/2107	केतु	07/03/2124	शुक्र	16/04/2139
शनि	24/09/2075	बुध	17/09/2092	केतु	03/08/2108	शुक्र	06/01/2127		00/00/0000
बुध	12/04/2078	केतु	24/08/2093	शुक्र	04/10/2111	सूर्य	12/11/2127		00/00/0000
केतु	01/05/2079	शुक्र	24/04/2096	सूर्य	15/09/2112	चंद्र	13/04/2129		00/00/0000
शुक्र	30/04/2082	सूर्य	10/02/2097	चंद्र	16/04/2114	मंगल	10/04/2130		00/00/0000
सूर्य	25/03/2083	चंद्र	12/06/2098	मंगल	26/05/2115	राहु	27/10/2132		00/00/0000
चंद्र	23/09/2084	मंगल	19/05/2099	राहु	01/04/2118	गुरु	02/02/2135		00/00/0000
मंगल	12/10/2085	राहु	13/10/2101	गुरु	12/10/2120	शनि	13/10/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 5 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली महिला हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगी। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकती हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली महिला होंगी।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाती है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाली नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करती। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करती हैं। आप कुशग्र बुद्धि की चालाक महिला हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगी।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगी। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकती हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगी वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगी।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकती हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि की प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकती हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबी, दुबली आकृति की, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध महिला हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित पुरुषों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगी।

आप ऐसा नही चाहेंगी कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपने पति एवं संतान को प्यार करती हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहती हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहती हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।